



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

CE
2/8/85

सं० 626]
No. 626]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, दिसम्बर 27, 1984/पीष 6, 1906
NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 27, 1984/PAUSA 6, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर, 1984

प्रादेश

का.आ. 960 (प्र)/18क/आई डी आर ए/84—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. 65 (प्र)/18क/आई डी आर ए/78, तारीख 4 फरवरी, 1978 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) आन्ध्र प्रदेश राज्य के आ-काकुलम जिले के बोविलों में चतुः विनिर्माण करने वाले मीरम श्राम शुभस एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड के एकक का (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) प्रबंध, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) का धारा 18क का उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधिन, उक्त अधिन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तान वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण किया गया था और निजाम शूगर फैक्ट्री लिमिटेड को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था ;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के क्रमशः आदेश सं. का.आ. 901 (प्र), तारीख 21 नवम्बर, 1980, का.आ. 619 (प्र), तारीख 3 अगस्त, 1981, का.आ. 549 (अ), तारीख 2 अगस्त 1982, का.आ. 83 (प्र)/18क/आई डी आर ए/83, तारीख 2 फरवरी,

1983, का.आ. 547 (प्र)/18क/आई डी आर ए/83, तारीख 2 अगस्त, 1983, का.आ. 65 (अ)/18क/आई डी आर ए/84, तारीख 2 फरवरी, 1984 और का.आ. 556 (प्र)/18क/आई डी आर ए/84, तारीख 2 अगस्त, 1984 द्वारा उक्त आदेश को 31 दिसम्बर, 1984 तक का जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, अवधि के लिए जारी रखा गया था ;

और केन्द्रिय सरकार को यह राय है कि लोकहित में यह समर्पण है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम 30 जून, 1985 तक का, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और अवधि के लिए निजाम शूगर फैक्ट्री लिमिटेड के प्रबंध के अधिन बना रहे ;

अतः, केन्द्रिय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) का धारा 18क का उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देता है कि उक्त आदेश 30 जून, 1985 तक का, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा ।

[का.सं 4 (4)/78-सां.पू.एस.]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 27th December, 1984

ORDER

S.O. 960(E)/18AA/IDRA/84.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of

Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 65(E)|18AA|IDRA|78, dated the 4th February, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the Unit of Messrs Sri Rama Sugars and Industries Limited manufacturing sugar at Bobbili in District Srikakulam in the State of Andhra Pradesh (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) was taken over under clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of three years from the date of publication of the said Order in the Official Gazette and the Nizam Sugar Factory Limited was authorised to take over management of the said industrial undertaking;

And, whereas, by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 901(E), dated the 21st November, 1980, S.O. 619(E), dated the 3rd August, 1981, S.O. 549(E), dated the 2nd August, 1982, S.O. 83(E)|18AA|IDRA|83, dated the 2nd February, 1983, S.O. 547(E)|18AA|IDRA|83, dated the 2nd August, 1983, S.O. 65(E)|18AA|IDRA|84, dated the 2nd February, 1984 and S.O. 556(E)|18AA|IDRA|84, dated the 2nd August, 1984 respectively, the said Order was continued for a period upto and inclusive of the 31st December, 1984;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said industrial undertaking should continue under the management of the Nizam Sugar Factory Limited for a further period upto and inclusive of the 30th June, 1985;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 30th June, 1985.

[File No. 4(4)|78-CUS.]

आदेश

का.आ. 961(अ)/18वख/आई डी आर ए/84 —केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश नं. का.आ. 958(अ)/18वख/आई डी आर ए/80, तारीख 10 दिसम्बर, 1980 द्वारा (जिसे हमने इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) के धारा 18वख की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा की कि उक्त आदेश के जारी किए जाने की तारीख से ठीक पहले प्रवृत्त सभी सद्विवाओं, सम्पत्ति के हस्तांतरण पत्रों, करारों, परिनिर्धारणों, पत्राचारों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों का (जिनसे भिन्न आ 4 फरवरी, 1978 के पश्चात् किए गए हैं या होंगे या प्रवृत्त हुए हैं) जिनका आन्ध्र प्रदेश राज्य के श्रीरामसुगर फैक्ट्री लिमिटेड का एकक या उक्त एकक का स्वामित्व रखने वाला कर्मचारी एक पक्षकार है, या जो उक्त एकक या कम्पनी की लागू हो, प्रवृत्त 3 अगस्त, 1981 तक हैं, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, अवधि के लिए निरस्त रहेंगे और उक्त आदेश के जारी किए जाने की तारीख से पहले उसके अधीन प्रवृत्त सभी उद्भूत गत, अधिकार, विशेषाधिकार, वादग्रस्तता और दायित्व उक्त अवधि के लिए निरस्त रहेंगे,

और केन्द्र सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के क्रमशः आदेश नं. का. आ. 622(अ)/18वख/आई डी आर ए/81, तारीख 4 अगस्त, 1981, का.आ. 550(अ)/18वख/आई डी आर ए/82, तारीख 2 अगस्त, 1982, का.आ. 82(अ)/18वख/आई डी आर ए/83, तारीख 2 फरवरी, 1983, का.आ. 548(अ)/18वख/आई डी आर ए/84, तारीख 2 अगस्त, 1983, का.आ. 66(अ)/18वख/आई डी आर ए/84, तारीख 2 फरवरी, 1984 द्वारा उक्त आदेश की अवधि का सभी मामलों का बाबत उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रति प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित हैं 31 दिसम्बर, 1984 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, जारी रखा गया था;

और केन्द्र सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि की सभी मामलों की बाबत (जिनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रति प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित हैं), 30 जून, 1985 तक का जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और अवधि के लिए बकाया दिया जाए,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) के धारा 18वख की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की अवधि को सभी मामलों की बाबत (जिनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रति प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित हैं) 30 जून, 1985 तक को जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए बढ़ाती है।

[फा.स. 4(4)/78-सी.०.यू.एस.०]

प.पी. सरकार, सचिव, मंत्रालय

ORDER

S.O. 961(E)|18FB|IDRA|84.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 958(E)|18FB|IDRA|80, dated the 10th December, 1980(E) (hereinafter referred to as the said Order) the Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those which have been entered into, arrived at or come into force after the 4th February, 1978), to which the unit of Messrs Sri Rama Sugars and Industries Limited manufacturing sugar at Bobbili in District Srikakulam in the State of Andhra Pradesh of the company owning the said unit is a party or which may be applicable to the said unit or company, shall remain suspended for a period upto and inclusive of the 3rd August, 1981 and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the date of issue of the said Order shall remain suspended for the said period;

And, whereas, by the Orders of the Central Government in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 622(E)|18FB|IDRA|81, dated the 4th August, 1981, S.O. 550(E)|18FB|IDRA|82, dated the 2nd August, 1982, S.O. 82(E)|18FB|IDRA|83, dated the 2nd February, 1983, S.O. 548(E)|18FB|IDRA|83, dated the 2nd August, 1983, S.O. 66(E)|18FB|IDRA|84, dated the 2nd February, 1984 and S.O. 557(E)|18FB|IDRA|84, dated the 2nd August, 1984 respectively, the duration

of the said Order was continued upto and inclusive of the 31st December, 1984 (in respect of all matters except those relating to secured liabilities to banks and financial institutions);

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order in respect of all matters (except those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) should be extended for a further period upto and inclusive of the 30th June, 1985;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order in respect of all matters (except those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) for a further period upto and inclusive of the 30th June, 1985.

[File No. 4(4)/78-CUS.]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.

